

DPN 5839

Title: चचासफू CACĀ SAPHU

Run. No. 6530

Cat. No.

Micro. No.

Subject चचा सफू

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 14.8 x 6.8

Folios 34

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

शारदकसाः, नायमड

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Sarad Kasaḥ, Nāyamaḍ

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

गायिन्नुनिऊमातियाचागऊमातियाचिर्याऊमातियागा
तियागा ॥ अथमुखवटहूऊयत्याचिर्याछुनाचिर्यागा
श्वागासमसुनवायूपकालिकवक्तानिऊनिकनिमद्विदा
धंरा ॥ अथाथकियासवआक्रमनिदद्विक्तऊमपूनिदा
धंरानिचसुनसर्वावदयमइतायमनियमकुविधंसनाग

माया का ३२

राजनिनियगु घयदरवकम नाका क नायी लदि संजा
स नंगा ख उ अ गु हा म म्हा क म्म म द नि र व सं जा स ही वा ०
राजा द द म्मा क मायां का ल वि म्म स द्द म्मा सा ब ला रा मा रु मा
न द र्थ न क्का दि र माया मा द ॥ क र न म्म ल ज सा ना वा न
ग द र्थ मा द क्का दि न नि न म्मा द ॥ राज न वि र व न य न द

माया का ३३

घ न वि र या ॥ द न्म म वि क इ र व य न उ ॥ म म द रु सं ला व म य
उ द ना वा म ध वि र या ॥ ये र्थ न म नं वा स व न र वे ॥ राज न
ध उ उ द य व द्द या या प द ॥ वा म अ नि इः ख या रु व व कः
ना यि वा ॥ ० राजा क रु दि र णी म र्म ना थ व ल म द वि न
वि रु या ॥ ख द्द हा स र व र्ज सा नी ना क वा स द द रु न्मा क र न

मामिश्रीमं शुक्रमाता गुरुनादिस्त्रिगुणगुणवत्वनया
 यिता ॥ १५६ कक्षावीसरुयप्रगुणलायाधीधर्मधारा
 छाननयात्मगुणकिर्तिता ॥ १५७ रागनाथगुणानि
 नंशूननाला ॥ सर्वधामविमोचदयंदिकानि वंशना ॥ ०

रुडनमाधीवदसलायना ॥ १५८ रागनाथगुणानि
 रामभीकनकाजाडिगुणविदहडमृद्वीयं प्रयवगादायनीह
 रुचकचवनः यश्चवर्णयश्चडिनयायियाला ॥ १५९ रागनाथगुणानि
 वदविश्वसृष्टिगंविस्वरुतविस्वरुतयश्चमृतीगजसृष्टियान
 नावहकिडिनमानसाः रुचकचवनः यश्चवर्णयश्चडिनयायियाला ॥

१५८ रागनाथगुणानि

॥ ज्ञातवदानसया उयद्वियं: वा उयदीयत्रिज्ञा दुयान ॥ स्वस
 न वा उयद्वियं: उंचेविदितां रुवन वा उयदीयहीख उयवसुवा
 वादिनदययाचियननचधिययाचिय: सफज्जुलादचचम्वि:
 यालवाज्जुतान वा उदिचियसायचवका: महिकलनिधिनिरिवल
 वदयानि ॥ वायुचचवहातिडालह्म: रुजाहियत्रिज्ञावना: मन

कशुमडदकायचिसदुलिपूडावायनवयचि लावधी: सकयचिरुं
 यचि तां रुवकलनिसकचलसदुरुतं ॥ वायुचचवहातिडालह्म: रुजाहियत्रिज्ञावना: मन
 नादिच दुस्वमिदलसवाचहमधुजागकादिविकनादचूयीवासमी
 लयचिकललिकाद्यमौ गामिनिनवनीचंशु मायद्यकलचूयीवा
 क् ॥ उांनमाभिदविधीवकुविवासनी: किरुयद्वनखसमझा

२ निर्मर्मादिश ॥ २

नदवीगाडादियानपूरुगिनीकामनूयणीदकः शुविशुद्धमदलनः
 लययनिका ॥ वसुदवसवाचुदवचधर्मचक्रः वाउसदवसम
 शचक्रं वादिमगदलकमलमहाशुखचक्रं दूकाचनूयणीद
 चक्रनार्थं ॥ वदहयिजिनविउहत्याहदिनिधावयिमृष
 धाचयानादचयीगीथादिदमहमिसुवागपूरुनिहिनल्लानद

यनिवीचध्वनी ॥ दल्यमयतिविम्वजचजचद्यमः जालि
 निसिसुमचकदजदवीगाऊनरमानुद ऊयायमचहमइर्जतिना
 मनमाङ्गपदं ॥ वागाधधारेवविगालमकदहनयं ऊल
 नसुचयं वापं वामृगचमयं ऊमालिपूजिया ॥ ५ ॥ उमदवीव
 लिलायाफिरुवनवीचाविलमलायं ऊकसमयानदवा

॥ अक्षरद्वयं ॥ ३

विष्णुसहस्रनाम

विनंविनस्व नमो ह जान देवा क लं कमलासन द्वादशानंद ॥
पञ्चवक्ष्ये क संघ स नय ॥ देवास नन नय मदिह द्वादश ॥
जंजाहं जा संसाधन क विनं दम नयं था ध्वनि विल मान दे ॥
वा ना ग क र्ण दि सा ख ठ जा नि धी द वी षि रु व न था पि नी वा वि ष्णु
मा ल इ ष्ट द र्पा वि ना स नी ॥ क रान मा मि र द वी धी व द वा ना दि

॥ आ द्रि सि द्धि दा य नी ऊ वा न ऊ न नी ॥ ॥ पृ र्व द ल ग न द वी न
क व र्णु ग्री वा ऽ सा न डा मि नी द वी नी न व द नी ॥ वा य थ मा
दि नि द वी णी न व र्णु रा वा य षि म सं वा नि नी द वी णी न व र्णु द द्वा
॥ न मे म ल स क सि धी द वी द नि न व र्णु रा वा द दि न व षि का
द वी क र्म व र्णु रा ॥ ॥ व ए रु ऊ न का न ना य क र्म दा र व ण

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ स्वस्वी ऊमम् वनवन्मदिनाम् नमः ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यस्मात्तदा कदाकिनी इयि ज्ञस्मत्तानन्दुदम्बलिष्टुत्तरु
नमः ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वाञ्छनं नृपतया वं कालसंहरवन्नन्यत्रिहिकविंशतिं तैविः
त्रिहिकलसंराजैजाः हं कालवज्रा मृगमृदकसफसंसाधिकश्च
नमृत्तयंग ॥ वाञ्छामृगनसवाधिरुलदायकं सर्वज्ञिनया
पितृसदृशकलसंगजगमल्लहमृदककृन्त्यताकनृक्षाणावसं
सानक्षसनविनद्वृपंग ॥ वाञ्छयन्नमानन्दवाञ्छामृजसंरु

विष्णुपराय

कः हं स्वस्वाधिकयञ्छयिष्यंग हं कालमनुपृथ्यसर्वसिद्धिवज्र
संस्तुयितविपाणकलसंग ॥ वाञ्छमयन्नवगपृथ्यसावजा
कृथमन्चाकिनीजननृपंग ॥ भक्तिनिष्ठाध्वनदवगात्रकल्लानम
त्वमानीयः हृदी ऊकलसंग ॥ वाञ्छादिआचमनदानपूज्य
वसन्नं समयसत्त्वप्रवसितविमलकलसंगमहावातादिविरु

४

अशावगाज्जगामननरुयवन्धनच्छादिंयनरुयमाज्जगामियः
 सुमावगा **॥ नागहाद्वानकवर्धुषिनिवायनसुदवींज**
 स्वादहारुजपहननकि नृहा **॥** क बाउमदवीवानृहीमाम
 कीदवीगाजगकपमादिममयनसुनाला **॥** बाजागामयद
 पनाहावरवानगा शावाधर्मदिआयुनउयदस **॥** बायक

क जं
 वधखननयूकुरुक **॥** सयात्र शाशिनीमा अहचडाकुदचडा
॥ बाहागयुनचनमसिल्लंशकधविद्यागरुनयिवाकवडास
 नामावयी **॥** ० **॥ नागहचविवा** नमाहं अकावृत्तनयधनरास्व
 द्धुविमलउगाठन **॥** क बागनाहं हं ननाहं हं ननाहं हं
 हं **॥** बादंदाजालिंशनडावाधनर्वडाद्यंयमडाधनरा

२७
॥१०॥

॥ धववनसंखनदहधववसवदधुसादियचन्दमवरा
॥ मायादहनिघडंरुवाहमादियकचननासत्वमहं ॥
॥ वावाधुवा नमालसिवापिचकचविमहीमचलमाशःथीति
॥ जानंदमचतिधवावावडावावादिशालिवाहासंमचवहानाच
॥ मिमहाहालाग ध्रुवागनाहंहंननाकनहंहंहंहं ॥

नीलवर्णचरुवकायतिमखपिनकयचमानधुमचतिधवावा
विस्ववडाधुवचरुकागमकाठधवाहाउआरचहामसारिकाः
॥ वावडाधुवडाधुवचर्मधुमचखडांगविचमानधुमचति
धवावाकचतिकपालयचधुयासहिधूलवंकमिश्रधवावा
धवर्मकागिथिठिगावा ॥ वादिवांविदिवांकाकाहमादियम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

दाकिनीदवीः सहजानन्दमन्त्रिध्वजानमामि रथी च कर्मच
नामगणयुवचवहजावाधिका ० वावागजहडिवाडाजकर
वहकयाथिलसमन्वययिकवादिलहडावायुक्रवालन
वमलि यामसानकमेककहादिशचवा ॥ नयवमानय
समन्वलायाः समन्वहुन्दवीमायकालावाहमविमलिनीवडा

वावादिहृदमदियामानहलावा वासालिंशयनडालंमद
मयनः कर्णलंशवयिकवालावायगदनीलावर्धुवन्धिवडा
दामन्महुलरटवीला ॥ वादिशुभउवाहहृद
लयायिसयीसन्धरुक्तावाहमविनाहनावजवावाहउफ्र वो रे
विनदखमिजन्मावा वासाजकिलिलावडाकालियाडः
रसेववर

नमो ह्येनं नमिहाय ॥ वागडा न्कियवनयनिशुचरुगतायव
 ऊवावादिउ ऊह्येनमिहाय ॥ वागगुरु ऊलिगऊयंवा
 छलीदन्डा घनयिवासयनसुवासनरुगागडध्वनीय ॥
 उरुगवक्तिया इकमनमहिमधुलनवायुनवहंमनंकावा
 लागाहाउं वमालज्जारननविहखिहमखलधच्छउलालाः

[illegible]

लङ्गननिषराखनमनिवाविवासायिसमननसंखेंदंदाज्ज
 लिंगनावा ॐ वानीलंशुहसयलसृगाचसंपूर्णगाताध्वज्ज
 लिंगनजानदमयनवा वावाययिसृक्कागसयनविमय
 नवावावाविवागाइयीमाभनिषखेंदंदा वाज्जककालिम
 संकावाविहखनावासवननचपमखदंदाज्जलिंगनावा

दहदिहउवनधीयावाभवावापनमामिह्लनस्वनीमावि
 जिगावा ० वावावामालडावानिरुंमुडाअडाधूडाहच
 डातायावाधीहगमनयागिनीययिसंवा ॐ वाज्जानशु
 दिदववाकुलिजानशुदिदवावायविहसंखेंदंदाहचडामनमा
 संपूर्णवा वापुर्कामिहदिहचधीरुक्कलहचडावामह्वनि

नदायि आयि सकारव ॥ राणी आदियान कलाय च आये ॥
 शीत अनदा कृदनि वाउ न ॥ ॥ आलि कालि इयि या दधन
 न ॥ न च उडा गिदी मं बल शीत ॥ ॥ ययि सयी वां विनी ज्व
 य सहा वं र कृदनि कमल कलि सव ऊरु दी ॥ ॥ यय सयी या
 नी यो नी व ता वि बाल य न च उ स म ह न डा वा ला ॥ ॥ वा वा वा ध

२२ सर्वा का का ॥ १०

नाणी रा सर्वा का नाम दा स ख ख ल च उ जान च द सा पि रु व न द
 लयि म दा स ख ला या च द स र्थ इ यि म नि या ॥ ॥ न या य नि न
 न प थ नी द सा पि रु व न न क ल च नी रा सर्वा वि क ल्य वि ध्वं स नी द
 वी ज न रु च हान व व दा य नी ॥ ॥ ज मि ता रु म द ल उ द
 या ल ति थि क ल्या न न मि व न्ध यी रा क न कि क

गद्यनीयल्लानवनदहा॥ यदिगेवमकककामिचः
 कीकदलकंधिप्राजी॥ लाचकमखलयायलक्षानीगृवन
 दनसिलमाला॥ ॥सर्वतथागतननीदवीविनदिन
 शवन्नशवाशीवडाआगिहीवननसील्यंगतधविशाराव
 किममवठावजाव॥ ० ॥जागकामादवाचकलिगहंजा

धं३

जोरुवमूनातिलुदनीलकसमदहा॥ विष्णुशक्तिगृष्टिक
 ननःनलमककजावाधियां ॥ ॥नामिणीयवन्दवीनरव
 सिंधुनवताविस्वनाथजिखवनव्यापितवदनिद्यैसनकवन
 ॥ ॥अननकानल्लितजिखवनवीनंसवहृष्टाखन
 दधानेनशवामगर्कशीकृत्यामध्वनःहवाविष्णुपद

कथने॥ रात्रौ चान्द्रादावनेष्ट्याः कारुण्यं
 खितदंष्ट्राश्चकवाल्मीकिरवमवदत्तः प्रियुवनयायाः
 यत्रशुवीर्यं॥ रात्रिवाधियसर्वस्यहृदयं॥ यत्रदिः
 माश्चादि॥ नमनमाश्चनवनवक्रकावदितयादंष्ट्र
 सर्वसिद्धिमादंष्ट्रदंष्ट्र॥ रात्रौ चान्द्रादावनेष्ट्याः कारुण्यं

मन्त्रिखञ्जयासकवध्माविश्रुगगनद्वयथरुगगनयावितम
हाकुधवाया॥ वाज्वनिनिदिनवामज्ञानुःधाववद
नखिलावध्माशककवाकसहवहयकलशुखिलविघ्नदं
ता॥ वावक्रहविद्वमद्यवमायाःदयदहनसविवा
श्रुद्विषाविपीठिनशुधवःशायकिवधविषहन्का॥

विविधिवलारुवधरुखितदिथवत्तसुमोविश्रुगगनवा
तःसर्वसंपत्तिमिद्विववरुवद्ययकं॥ वावक्रहवा
विवाउध्वकनगपिंजलकंशनावयिहवडाउनमह
रुसा॥ वृ वादवडादवडादमाल्कोलाश्वमिनि
वन्दाविलयाउउवृहशाला॥ वावमद्वविददिनवच

२॥ ॥ विवाहस्यिह वृद्धावावि ॥ ॥ ददितदमवृद्धामखला
 २॥ ॥ अष्टागिणिमन्त्रीद्वयसंज्ञा ॥ ॥ गतातिकर्तुयाहव
 ३॥ ॥ अष्टाशकायवाकविरुद्धाविवाह ॥ ० ॥ **वावागकी**
 ४॥ ॥ सिकवसंतगाउवगाश्वधशोविततनसाशाशब्दुन्नुनी
 ५॥ ॥ इतिरिपिंगलकक्षा ॥ ॥ राऊगातनकंयकृष्णमुव

३॥ ॥ अष्टाशकायवाकविरुद्धाविवाह ॥ ३३

२॥ ॥ दवीशदृष्टमालविघ्ननामनिदवी ॥ ॥ रावकनयनति
 ३॥ ॥ निमन्दमालाश्वधकवतिकयालनिवात्यवा ॥ ॥ रा
 ४॥ ॥ व्याधवर्मवस्तुपुल्यामाविध्वाश्वधवर्मवस्तुदवस्तुवीकान्
 ५॥ ॥ राववधमवधशोउर्जतावधिमामाश्वधनयिजमा
 ६॥ ॥ घवऊवविनगीता ॥ ० ॥ **वावागजावविगालंवक**

२॥ ॥ अष्टाशकायवाकविरुद्धाविवाह ॥ २४

सुलाभादवीतिनयताश्वस्रुखितसिंधुवदने
 वा यु वातनाहं हं तनाहं हं तनाहं हं हं ॥ वायाय
 वसउवदाथयवसुधवाशुक्रमुखजुक्रमुधामिवा
 वाकंरुनिस्तंरुनिजाकर्षनीरजादिजनकल्यान
 कक्षावि॥ वासुर्जमध्यपातावनिरुखनस्वनाश्वस्रु

पतियुजीयालसुधकार्यसिद्धिवा॥ वावाग
 वास॥ सदसुदवमाजडातिवयवधुपक्षवध्यनानाकस
 मशुललयथात्यलकमशुकलालःधलयपक्षकमशुप
 विज्ञातग धु वानमामिशोधर्मधामुप्रिउवननाथल
 पृष्ठगिविशीपृष्ठकृशसर्वदवास्ववचंदिनववत्ताः ज

१३१
 सुदवा॥ २३

नेगवाद्धितसिद्धियश्मदारा वाङ्मवाधिवृक्षातमाल
वम्यकज्जनेगवृक्षमुहसाहितारज्जुष्टधामुज्जुष्टरुवव
डागिधिशनेगरुणादिनक्षत्रपाला ॥ वायुर्वदक्षिन
यश्चिमउलुवदिगाः नीलपीतवक्त्रहवितवर्गुश्यश्चक्रि
नयश्चह्रानस्रवृषवगुदंवीचगुनमवृति ॥ वायश्चय

विष्णोः सांति परं स्वविज्ञानगविधिसिद्धिवचन्यसादाश्च न
 यिष्णोः सिद्धिवज्रवदितगीताः अन्मश्माक्षुंरुपुष्पादा वा
 • तात्वागारासवप्रिदल्लकमलवर्धुक्कसमसंराः मधु
 कवद्वन्द्वोवाष्मश्चोविचयादस्वगमस्वदविमदनन
 पालव्यापिता ॥ ६ ॥ नमामिनेवात्माप्रिगुवनमान

५॥ शुद्धलक्ष्मण ॥ २७

वचुलादवीधीमृगशुलि २ संयचमसचनं वीं नदीचचदां
 जनताधिमिद्धिवलपदागा ॥ ॥ नचनवनमिवचचः
 ननचवंजनवाकशुमयालिकानवनानि ह्यनं नान्नानवा
 तामनितिर्यसंदृष्टवने ॥ ॥ अष्टरुचवअष्टकाविधीद
 विजनकदवासचद्रुयाल ॥ अष्टमहारुयदनिनीचवा

नवजनकविघ्ननिनवानव ॥ ॥ विस्वविद्यायिकानावि
 देवीः अखयनिनंजनजाकिमय ॥ अकिमकुसुखरुलदाय
 निदवीरुनमरमालयुंरुपायमचदागानि ॥ ० ॥ ॥ ॥ ॥
 णववि ॥ दितममिमसुलवंकाणश्चकवभुषिभणयि
 गन्वला ॥ ॥ नमैमामिष्टाविद्याधवीश्चजनगमधि

२॥ दितममिमसुलवंकाणश्चकवभुषिभणयि

सिद्धिवलयदाता॥ वादहिनविन्दुवामसुकिश्चि
 विजययशमालहस्तं कृत्वा॥ वामककेष्टावेदिगाका
 नाशुक्तदेवीकृतगतकृतनि॥ वशीवृद्धदाविनिजाति
 नामलुप्तसिलधिताश्चानि सुवतवक्रमकुलगीता
 ॐ वाश्वामशेववा॥ कुर्यंश्वाच्छलिस्तयलसूरास्त

विश्वजययशःश्वयसंदावधी॥ ॐ ॥ वर्षं जूनं जूनह
 हंकावनाशयिमावनिववावव॥ वाकिमयवयानि
 वपूर्वकश्चिनकृतनिष्ठीवृद्धकृत्वाति॥ वाकुर्यंश्
 दादजाश्वयससाशाश्चकवतिकपालखत्वागधवा
 वाकुर्यंश्चोदसमसानस्त्रीवर्गीववृद्धनवसिबसा

२ ओं गीसि ॥ २०

ला॥ ॥ ऊर्यंश्वाब्जलिऊगातसंसावश्यनमामिज
द्वयसंवाब्जि॥ ० ॥ **॥ श्वागवलालि॥** जतसिकस
मशुगिदरु युताब्जवाशविविधिवलमकतविरुखिः
ता॥ ५ ॥ नावयिबधीअवलवीवाशतनवउआन
न्दविवासयिज्वला॥ ॥ यामउर्यविममडाद

२ ओं गीसि ॥ ३०

हानाश्यह्लाआलिंगक्षअद्वयमसामरु ॥ ॥ विवाग
वन्दशुगिरवरयंकवाशतस्यनिहगरवभतकूनिपा
आ॥ ॥ मालवकुवदयविवाविघ्नहनिश्यविसमि
ऊगावतःगगक्षविवासयिज्वला॥ ० ॥ **॥ श्वाग**
धनाडी॥ आकृतिह्लाथचोवासिसिद्धाकायाकायवि

दावा २ कायाभिवायू मदिनि कायासर्वगिर्था ॥ ५ ॥
 वालसिलेवागदुहुझअगिबीवञ्चवसयलविहना
 २ कायादुदिलेअननकमानंततमानहसकमाला ॥
 कायावन्द कायासूर्य कायानदुगमाला २ पशुतसय
 लविहानपतिथिदृढहरिदुदहवाडावा ॥ काया

मयाकृत कायामदावाधिः कायासर्वगिर्था २ अष्टसम
 २ विष्वकान्ध कायामष्टनं च मयूं अष्टमन्दलयतिगा
 बलसाहितनवइडावा २ वियेवजांसनिदवीनथावन
 नीसंगहवादावा ॥ ६ ॥ **वागललितवा** विखयविखयवि
 नपवनसंज्ञाका लयिवन्द्याविताशिकेमल २ ददयिऊ

२ विष्वकान्ध ॥ ३ ॥

नविम्बुसमिजवयिसूवगवडुयिनिजाहाःसमयध्यामस
यलं॥ ५॥ वृत्तानममकुद्याखकालवकुदवकुसंम्वनविठ
वपं॥ ययिपदुमसंक्राहासंहावनिध्ववासुदक्रानन्दमय
नवयं॥ वावकुयर्थकासनकंकुमावृक्षगनूनामसंगति
अकारुध्यानंरुगागइःखनासनवाधिरुचययकक्रागध

ममावृहावदुदयं॥ वागुवृवाकदृधधवियाजृध्वपव
नकुल्लियमनिमकुटवंडुउतादिधवियाश्चउचक्रयात्रय
वमठवविमृथरुमान्वावाहूरुवनं॥ वाध्वप्रमायाम
दृसहावपलिहावनाःवृद्धधर्मसंघसबधगतिर्यंरगुवृ
वनसिलधवियागाडानिस्वगवडुक्रुमाश्मावृद्धसबध

१०० नानाकान्ताना ॥ ३२

॥ ० ॥ १०० नानाकान्ताना ॥ ३२
सिद्धाङ्गागिवन्द्यदहनवेन्दुदेवा ॥ ३ ॥ नमामि शिवाला कस्तु
प्रियवतनाथाश्चकवृक्षमयकृगण्डधविद्या ॥ ॥ हविर्वृक्षा
हृन्दुदिगयलारतागकृगण्डधविद्या ॥ ॥ हविर्वृक्षा
हृन्दुदिगयलारतागकृगण्डधविद्या ॥ ॥ हविर्वृक्षा

१०० नानाकान्ताना ॥ ३३

॥ ० ॥ १०० नानाकान्ताना ॥ ३३
सिद्धाङ्गागिवन्द्यदहनवेन्दुदेवा ॥ ३ ॥ नमामि शिवाला कस्तु
प्रियवतनाथाश्चकवृक्षमयकृगण्डधविद्या ॥ ॥ हविर्वृक्षा
हृन्दुदिगयलारतागकृगण्डधविद्या ॥ ॥ हविर्वृक्षा
हृन्दुदिगयलारतागकृगण्डधविद्या ॥ ॥ हविर्वृक्षा

राविष्ठवजार्धदृश्यसकलुजा॥ रायथमपूवजहदु
 नातामाखणिंसाबाजाकिनिवज्जाकायीशद्विमियआकास
 कयमदनिष्ठकिंनविजागिनिसर्वाकाना॥ राहजियउरु
 यज्जगिऊवह्मनदवीनिवदकाहकूपत्याविधृताश्वगुवसवगुविल
 वाकायनागिसफासिखधिकवउसगनाथा॥ रावकुवउनसह

शुवाधिसलधगाहामसादसचाणिंसातस्मसातश्वाकारुवमदे
 लप्रदक्रिनागुव्यासिबंधगाहकाववजाय ० रा ६६६
 रवागवाभाउमृतादधकायनिसंछितकं:वध्वंशिमूडांकित
 शुश्वरुंवाणीवद्वजकससिमचलछं:नंकातसंज्ञाकयनमामि
 सांगं॥ क्वावंकद्विष्टयनिसंछितकं:दंशानिमूडांकितनील
 वल्लुंवाणीवद्वजकासिमचलछं:नंकाजसंज्ञाकयनमामिसांगं

२६
 नक्षत्राणां
 ३६

अहं च दस्युर्था विसंस्थितं नः जलां कमदां किं यीतवर्त्तुं वा
 जलदा कलविमन्दलं नः कालसंज्ञाय नमामिष्टानं वा
 मयूचयुष्मद्युविमंस्थितं नः यदां कमदां किं यीतवर्त्तुं वा
 जलदा कलविमन्दलं नः कालसंज्ञाय नमामिष्टानं वा
 राखराहासकाय विमंस्थितं नः कृपानमदां किं यीतवर्त्तुं वा

विसदा कलविमन्दलं नः कालसंज्ञाय नमामिष्टानं वा
 ० वागदंष्ट्रा कलविमन्दलं नः कालसंज्ञाय नमामिष्टानं वा
 सागवामखलां वा कया लघुविद्यादाथ कृत्रिगिधविद्या वा
 यियानदसहजानन्दकान्धसंज्ञाय नमामिष्टानं वा
 वायुदुष्क रून्धकिं यीतवर्त्तुं वा नका वा सत्यविसः

अहं च दस्युर्था विसंस्थितं नः

श्रीगणेशाय नमः ॥ ३५

खनयुधधन्यशुलायनका रुध्रावीराशखनदिनापति वदनौ
ननकंथिसादियदहा ॥ वाविमालजवह्लयियात्रय
वंकविहात्रासगयुधयाययष्टदकियत्रभाडाकियत्रमादिः
वजा ॥ ० ॥ वावासेनविजाजिनजिकत्रलाधिकाः आलालि
कयह्लाधिकोत्रनागत्रनिदखत्रनिमादत्रनिवजत्रनि ॥

गह्वंनमः शौर्यशुधीयसमाजवज्रजह्वयत्राशत्रननकव
द्रदवीसंपूजकागियाजानमिसहकवजा ॥ वाव्यभाष्टत्रं
नसवजावसायत्रसत्रवजा ॥ जाजितखिनिगरुकुलिभक्त
वाजात्रागद्यनरुवत्रजा ॥ वाकमलकलाकलवल्लयधवत्र
वाशिक्षंरिन्नसमनरुदवासमयात्रियूयह्लोत्रकायत्राजितस

मन्तरुदाय ॥ वाविप्रागृहकृतावचनार्कियाऊनीलदधुमहाव
लगाउष्ट्रखचकवर्णिशुक्रजाजायःसारितर्पिवमधुलाय ०

वाजापलाटवासकलरुगासंभाजन्यादं॥सर्वनयधनरु
 हाकहादं॥ ॐ वादवीप्रिष्टवनेकुञ्जचलं॥ऊगावधम
 यसर्वमिदंनूयादं॥ वाजदंवाद्यलहंसिद्धिस्तुवज्जैनामा

कृ३
दंगलदंसीजदंप्रखनपंसकादं॥ वादेवासनाहंकनाह
नकादंगलदंकनाजदंमृग्यदि नसिद्धिबदं॥

[illegible]

[illegible]

अलयायंगरुयथोसन्धनजिह्ववनयायितागमाद्विमिद्विमहामः
 दासिद्वि॥ ० गगनादशीगवामखत्यनधनददिनकनकि
 गयायलनोपममंदमालकृदिनग ॥ ५ गगनायिचकककिवक
 अशिदिगणिनिनरुदवोकिह्ववनयायिसग ॥ गगनादशी
 द्वियायसद्विचगगगगदखमाद ॥ ५ गगनादशी ॥ ५

१ नमो भगवते
२ लसु रुदवीनि जं रु नदवी ग सु न्यया ददवी ह, न्य सु हा व ग
३ शुद्धि सं दान दवी क च द दवी ग मा रु मा र्ज दवी स वि रु रु न नी
४ ग ० न नारायण विग न मा मि र थो अ स नि वि रु रु रु द आ लि काः
५ लि श यि वा यि ता ग व रु न स र्ग व क री ख न नी य म द्रा व ल्या य
६ रु ता ग रु ग रु ना हूं हूं र वि रु द्या यि त ख ग रु रु हं रु उ वा वा

कारिमुखवलाकि गोवाचु नानन्दगन्धजा प्रगठगण्डवि
 हयध्वंसिगावा गनमामि रधी कलिसजावसधवज्जाय
 तर्द्धद्वैरुखिगागविस्वासकिमनिमन्दिगमिन्नसोनीचवर्ण
 अतिददद्विहाम्बलावा गनमामि यौवाहकदहलुखिहख
 धावाविशतं कृपितम्किमिधुदयाजा कर्द्धिदिकवधिल